The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

28 AUG 2021

रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में पैरामेडिक्स देखभाल सेवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

(बॉश के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश स्तर की नौकरियों की सुविधा के लिए कार्यक्रम)

ग्रामीण युवाओं को स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश स्तर के कौशल प्रदान करने के लिए तीन महीने के लंबे पैरामेडिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर बॉश इंडिया फाउंडेशन, झारखंड जोन के वरिष्ठ अधिकारी श्री मनीष कुमार, श्री साई नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल, रांची की सुश्री सोनी और सुश्री शालिनी सम्मानित अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में दलादली के आसपास के गांवों से प्रवेश स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं के इच्छुक बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य प्रशिक्षण किट वितरित किए गए।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "वर्तमान समय में, एकल परिवारों के कारण, जहां दोनों पति-पत्नी काम कर रहे हैं, बीमार बच्चों, बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के लिए घर पर शायद ही कोई होता है। जबकि पेशेवर देखभाल करने वालों जैसी पैरामेडिक्स स्वास्थ्य सेवाओं की मांग एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। इसे देखते हुए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय ने बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से ग्रामीण युवाओं को पेशेवर देखभालकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सॉफ्ट स्किल्स के अलावा, नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से प्रवेश स्तर के स्वास्थ्य कौशल प्रदान करना है। "यह सामाजिक आउटरीच सेवाओं के लिए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय की एक और पहल है। हमें खुशी है कि हमारे परिसर के आसपास के गांवों के १८-२५ वर्ष आयु वर्ग के पच्चीस युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उनमें से ज्यादातर लड़कियां है जो स्कूल छोड़ने चुकी है और उन्हें नौकरी की सख्त जरूरत है। ग्रामीण युवाओं को आजीविका प्रदान करने के अलावा, यह कार्यक्रम समाज के जरूरतमंद वर्ग की पैरामेडिकल जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा जिससे उन्हे बहुत संतुष्टि मिलेगी।

प्रो. अरविन्द कुमार, रजिस्ट्रार ने बताया कि कैसे यह कार्यक्रम जरूरतमंद युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से समग्र विकास में मदद करेगा ताकि वे तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे। श्री मनीष कुमार ने प्रतिभागियों को केयरगिवर प्रोग्राम का लाभ उठाने और अपना करियर बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक डॉ. गौतम तांती ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के रोड मैप और प्रशिक्षण के तीन चरणों के बारे में बताया, जिसमें एक महीने का ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण शामिल है।

प्रतिभागियों ने खुशी व्यक्त की कि उन्हें एक पुरस्कृत करियर बनाने का अवसर मिलेगा।

डॉ. बिजोया गांगुली, सहायक प्रोफेसर ने डॉ. सुदीप्त मजूमदार और डॉ. सुब्रतो कुमार डे, विश्वविद्यालय के दोनों एसोसिएट प्रोफेसरों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. पल्लवी कुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

==========